>

Title: Need to take over the power generation plants of various States and operate them through NTPC.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): सभापति जी, देश में जो बिजली की कमी है, उस कमी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार बहुत चिंतित है और हम भी चिंतित हैं। लेकिन देखने में आ रहा है कि देश में जहां-जहां पर बिजली उत्पादन करने वाले जो बिजली घर हैं, पॉवर प्लांट हैं, उनमें उनकी क्षमता से कम बिजली बनाई जा रही है। सारी चीज़ें उपलब्ध होने के बावजूद भी केंद्र सरकार के द्वारा, मंत्रालय के द्वारा और कोल इण्डिया के द्वारा सब्सिडाइज़्ड रेट पर कोयला सप्लाई किया जाता है। जो बिजली घर क्षमता से कम बिजल बनाते हैं, उनमें महाराष्ट्र सबसे आगे है।

<u>20.00 hrs</u>

महाराष्ट्र में जितने भी बिजली बनाने वाले पॉवर प्लांट्स हैं, उनमें 55 या 60 परसेंट तक ही बिजली बन रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहूंगा कि सस्ते दामों में कोयला सप्लाई करते हुए भी वहां बिजली नहीं बनती है, किसान परेशान हैं, उद्योग धन्धे प्रभावित हो रहे हैं और घरेलू यूज़ में बिजली की कमी हो रही है और इस कारण से राज्य की जनता त्रस्त है। सरकार द्वारा सस्ते कोयले की सप्लाई होने के बावजूद भी अगर बिजली कम बनती है तो ऐसे प्लांटों पर कार्रवाई करने के लिए सरकार पहल करे। ऐसे प्लांट जो बिजली कम बनाते हैं, उन प्लांट्स को चलाने वाले जो संचालक हैं, जो वहां की मैनेजमेंट है, सरकार उन पर सख्त कार्रवाई करे। अगर वे इस पर भी नहीं मानते हैं तो ऐसे प्लांटों को एनटीपीसी द्वारा संचालित कराने के लिए केंद्र सरकार कार्रवाई करे।